मध्यप्रदेश में वर्ष 2007 में हुई सांस्कृतिक गतिविधियों का विवरण

मध्यप्रदेश का सांस्कृतिक परिदृश्य अत्यंत समृद्ध रहा है। पिछले समय में संस्कृति विभाग ने अपने अनेक सार्थक उपकरणों के माध्यम से राज्य में संस्कृति को जोड़कर एक नई आभा प्रदान करने का काम किया है। प्रदेश में संस्कृति को अभिजात्य से जोड़कर देखे जाने और उससे दूरी बनाये रखने का जो वातावरण लम्बे समय तक व्याप्त रहा है, वह धीरे-धीरे समाप्त हुआ है। मध्यप्रदेश में कलाओं को समुचित आदर और सम्मान प्राप्त है। प्रदेश में प्रतिभाशाली युवा एवं उदीयमान कलाकारों को मंच से जोड़ा गया है और आंचलिक संस्कृति की बहुरंगीय झाँकियों के शहरी सभ्यता से सरोकार स्थापित किये गये हैं।

मध्यप्रदेश शासन की संस्कृति नीति राज्य में कलाओं की स्वतंत्रता और सम्मान के साथ विकास के अवसरों और साधनों की वृद्धि का काम करती है। मध्यप्रदेश में संस्कृति से जनजुड़ाव को महत्व देने के सुपरिणाम भी सामने आये हैं।

आदिवासी लोक कला एवं तुलसी साहित्य अकादमी

26 से 30 जनवरी, लोकरंग समारोह, भोपाल-

गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर संस्कृति का भारतीय अंतरंग श्रृंखला के अंतर्गत पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू कश्मीर राज वैभव के प्रदर्शन के साथ ही मध्यप्रदेश और सीमांचल क्षेत्रों के कलारूपों की प्रस्तुतियाँ। इस मौके पर राष्ट्रीय शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी में देश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित मंजूषा (कलात्मक बाक्स/पेटियों) का प्रदर्शन। साथ ही देश के विभिन्न भागों में प्रचलित दरी/कारपेट की बुनाई पर कार्यशाला।

5 से 7 फरवरी, सम्पदा समारोह, खण्डवा

जनजातीय नृत्यों पर एकाग्र कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के सीमांचल राज्यों की जनजातीय नृत्यों पर केन्द्रित प्रस्तुतियाँ।

21 से 27 मार्च, राष्ट्रीय रामलीला मेला, ओरछा

ओरछा में आयोजित समारोह में बिहार, अयोध्या, उड़ीसा और सतना की परम्परागत मंडलियों द्वारा रामजन्माभिषेक तक के विभिन्न प्रसंगों का मंचन।

30 जून- कबीर प्रसंग, भोपाल

भोपाल में कवि प्रसंग का आयोजन गुजरात के प्रसिद्ध कबीर गायक श्री हेमन्त चौहान द्वारा कबीर के लोकपदों की प्रस्तुतियाँ।

20 अगस्त- तुलसी जयंती समारोह, चित्रकूट

चित्रकूट में गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर काव्य गोष्ठी एवं विद्वानों द्वारा प्रवचन।

25-26 अगस्त- तुलसी पर्व, भोपाल

गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर आयोजित समारोह में सुश्री मधुमिता राय-कोलकाता द्वारा कथक समूह नृत्य में रामायण नृत्य नाटिका तथा अग्निहोत्री बन्धुओं द्वारा भक्ति पदों का गायन।

12-14 सितम्बर- डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला, भोपाल

देश के सुप्रसिद्ध मानस मर्मज्ञ डॉ. विश्वनाथ तिवारी, गोरखपुर द्वारा तुलसी का समय और यथार्थ, तुलसी का लोकमंगल तथा तुलसी का व्यक्तित्व और कृतित्व विषय पर व्याख्यान।

8-10 नवम्बर, तुलसी उत्सव-रघुनाथ गाथा, चित्रकूट

तुलसी साहित्य और रामकथा पर केन्द्रित आयोजन में तुलसीदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विद्वानों के व्याख्यान, रामकथा की सांगीतिक प्रस्तुति, प्रवचन, काव्य पाठ का आयोजन।

14-16 नवम्बर, श्रुति समारोह, सागर

लोक गायन पर केन्द्रित श्रुति समारोह का आयोजन। समारोह में मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड, मालवा और निमाड़ जनपदों के अलावा अवधी, भोजपुरी, उपशास्त्रीय गायन तथा मैहर वाद्य वृन्द की सांगीतिक प्रस्तुतियाँ।

24-26 नवम्बर, निमाड़ उत्सव, महेश्वर

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रसिद्ध पर्यटक स्थल और देवी अहिल्या की नगरी महेश्वर में तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव का आयोजन। उत्सव में सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री रवीन्द्र जैन, स्थानीय लोक प्रस्तुतियाँ साथ ही मध्यप्रदेश सीमांचल राज्यों की जनजातीय और लोकनृत्य प्रस्तुतियाँ तथा सुश्री डाली देसाई और साथियों द्वारा 'मीरा' नृत्य नाटिका की प्रस्तुति।

शिविर/कार्यशाला/प्रदर्शनी

1-15 अक्टूबर, जनजातीय चित्र शिविर, खजुराहो

खजुराहो में संचालित आदिवर्त-जनजातीय और लोक कला राज्य संग्रहालय में जनजातीय चित्र शिविर का आयोजन। शिविर में गोण्ड जनजाति के चित्रों का समावेश।

14-16 नवम्बर, बुन्देली लोक चित्र शिविर, सागर

स्कूली बच्चों में पारम्परिक चित्रकला के प्रति रूझान के उद्देश्य से तीन दिवसीय बुन्देली चित्र शिविर का आयोजन।

22-26 नवम्बर, निमाड़ी लोकचित्र शिविर, महेश्वर

स्कूली बच्चों में पारम्परिक चित्रकला के प्रति रूझान के उद्देश्य से पाँच दिवसीय निमाड़ी चित्र शिविर का आयोजन। स्कूली बच्चों की सहभागिता।

कालिदास संस्कृत अकादमी मध्यप्रदेश

2 जनवरी से 8 जनवरी, नाट्यशास्त्र व्याख्या-पाठसत्र, उज्जैन

पारम्परिक शास्त्रों के संरक्षण के उद्देश्य से नाट्य शास्त्र पाठसत्र का आयोजन। इन्दौर, भोपाल, उज्जैन, देवास के विद्वानों ने प्रशिक्षुओं के रूप में भाग लिया।

5 जनवरी से 10 जनवरी, रूपांकुर कला एवं वर्णागम शिविर, उज्जैन

संस्कृत साहित्य एवं आदिवासी कला विस्तार के उद्देश्य से शिविर का आयोजन। शिविर में भील, कोरकु, जनजाति चित्रकारों की भागीदारी हुई।

11 फरवरी से 13 फरवरी, भवभूति समारोह, ग्वालियर

भवभूति समारोह में संस्कृत भाषण, वाद-विवाद, श्लोक-पाठ, प्रतियोगिता के आयोजन।

15 फरवरी से 16 फरवरी, शांकर समारोह, ओंकारेश्वर

महाशिवरात्रि के मौके पर ओंकारेश्वर में शांकर समारोह का आयोजन। समारोह में 'शिवतत्व' और 'शंकराचार्य' पर केन्द्रित संगोष्ठी।

19 फरवरी से 20 फरवरी, राजशेखर समारोह, जबलपुर

कार्यक्रम में राजशेखर और ऐतिहासिक 'रूपक-परम्परा' विषय पर संगोष्ठी तथा शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति।

11 मार्च से 13 मार्च, कल्पवल्ली, उज्जैन

वेद-दर्शन-साहित्य-कला-संहिता पर केन्द्रित 'कल्पवल्ली' का आयोजन।

14 मार्च से 19 मार्च, कला प्रदर्शनी, जयपुर

जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में कलाप्रदर्शनी का आयोजन। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन सुप्रसिद्ध चित्रकार पद्मश्री कृपालसिंह शेखावत द्वारा।

18 मार्च, विक्रमोत्सव, उज्जैन

कालिदास अकादमी परिसर में नवसंवत एवं विक्रमादित्य शीर्षक पर केन्द्रित संगोष्ठी का आयोजन। प्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान।

21 मार्च से 30 मार्च, 'समरस कला महोत्सव', उज्जैन

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के चित्रकारों एवं मूर्तिकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दस दिवसीय शिविर का आयोजन।

30 मार्च से 31 मार्च, नाट्यशास्त्र कार्यशाला, उज्जैन

अकादमी परिसर में नाट्य शास्त्र पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन।

28 अप्रैल, सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान, इन्दौर

सारस्वतम् लोकप्रिय प्रथम व्याख्यान इन्दौर में आयोजित किया गया। व्याख्यान का शीर्षक कालिदास और शेषशायी विष्णु था। डॉ. रामचन्द्र तिवारी, भोपाल का मुख्य व्याख्यान।

5 मई से 25 मई, संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला, उज्जैन

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन। कार्यशाला में जयपुर, लखनऊ, भोपाल, ग्वालियर तथा उज्जैन के लगभग 20 कलाकारों की सहभागिता।

5 से 25 मई को उज्जैन में वर्णागम शिविर का आयोजन। शिविर में ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, सेडिंग, पोर्ट्रेट, कम्पोजिशन का प्रशिक्षण। 20 कलाकारों की सहभागिता अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण।

4 जून से 13 जून, शास्त्रव्याख्या पाठसत्र, उज्जैन

कौण्डभट्टप्रणीत सोलहवीं शताब्दी के व्याकरणशास्त्र के महत्वपूर्ण ग्रंथ पर प्रशिक्षण। देश के प्रमुख संस्कृत विद्वानों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण। नयी दिल्ली, वाराणसी, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, इंदोर, उज्जैन, मंदसौर आदि स्थानों के प्रतिभागी शामिल।

1 जून से 21 जून, कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला, उज्जैन

बच्चों में शास्त्रीय नृत्य के पोषण के उद्देश्य से कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन। डॉ. पुरू दाधीच द्वारा 80 कलाकारों को दो सत्रों में प्रशिक्षण।

27 जुलाई, सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान, खरगौन

सारस्वतम् लोकप्रिय द्वितीय व्याख्यान का शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगौन में आयोजन। व्याख्यान का शीर्षक 'कालिदास साहित्य में लोकचिन्तन' विषय पर पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान।

4 अगस्त से 5 अगस्त, आंचलिक संगोष्ठी, दतिया

कालिदास संस्कृत अकादमी एवं पीताम्बरा संस्कृत पीठ न्यास दतिया के सहयोग से मध्यप्रदेश के विविध अंचलों के संस्कृत रचनाधर्मियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर दो दिवसीय आंचलिक संगोष्ठी का आयोजन। संगोष्ठी में अनुसूचित जाति-जनजाति के संस्कृत साहित्यकारों को प्रोत्साहित किया गया। संगोष्ठी में 25 विद्वानों के शोध पत्रों का वाचन।

16 अगस्त से 18 अगस्त, बाल नाट्य महोत्सव, उज्जैन

डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन स्मृति बाल नाट्य महोत्सव का आयोजन। बाल कलाकारों द्वारा महाकवि कालिदास विरचित 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्', 'मालविकाग्निमित्रम्' तथा बोधायनविरचित 'भगवदज्जुकम्' नाटकों की संस्कृत में पस्तुति।

1 सितम्बर से 3 सितम्बर, संस्कृत गौरव दिवस महोत्सव, विदिशा

संस्कृत गौरव दिवस महोत्सव का आयोजन विदिशा में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में मध्यप्रदेश संस्कृत बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. मनमोहन उपाध्याय उपस्थित थे। इस मौके पर 'संस्कृत की वैज्ञानिकता' तथा 'पतंजलि का व्याकरण विषयक अवदान' शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन। इस मौके पर महाकवि भासविरचित नाटक 'प्रतिज्ञा अश्वत्थमोधम्' की संस्कृत में प्रस्तुति।

5 सितम्बर, सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान, कटनी

सारस्वतम् लोकप्रिय तृतीय व्याख्यान का आयोजन। कालिदास अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. कृष्णकांत चतुर्वेदी का व्याख्यान।

10 सितम्बर से 16 सितम्बर, वनजन महोत्सव, उज्जैन

आदिवासी चित्र एवं मूर्तिकला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वनजन महोत्सव का आयोजन डॉ. लक्ष्मीनारायण भावसार, बसंत निर्गुणे, प्रो. केदारनारायण जोशी एवं अन्य विद्वानों के व्याख्यान। उच्च एवं शालेय शिक्षा राज्यमंत्री, श्री पारस जैन की उपस्थिति में समापन।

13 सितम्बर, कालिदास प्रतिमा का लोकार्पण, उज्जैन

संस्कृति, जनसंपर्क एवं खनिज साधन मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा एवं सांसद डॉ. सत्यनारायण जटिया की उपस्थिति में महाकवि कालिदास की नव निर्मित संगमरमर प्रतिमा का उज्जैन में लोकार्पण।

24 सितम्बर, आचार्यकुल, उज्जैन

अनुसूचित जनजाति के छात्रों को संस्कृत का ज्ञानार्जन कराने के उद्देश्य से कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन में आचार्यकुल का आयोजन। डॉ. मोहनगुप्त तथा पं. आनन्दशंकर व्यास के व्याख्यान।

5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर, बुद्धिस्ट स्टडीज, सप्तम वार्षिक अधिवेशन, उज्जैन

द इण्डियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, जम्मू का सप्तम वार्षिक अधिवेशन अकादमी परिसर उज्जैन में आयोजित। संस्कृत नाट्य परम्परा के संरक्षण के उद्देश्य से नाट्य महोत्स्व का आयोजन। प्रो. राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी का मुख्य व्याख्यान। अधिवेशन में बौद्धदर्शन पर केन्द्रित शोधपत्रों का वाचन।

21 नवम्बर से 27 नवम्बर, अखिल भारतीय कालिदास समारोह, उज्जैन

अखिल भारतीय कालिदास समारोह स्वर्णजयंती का आयोजन। समारोह का उद्‌घाटन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न। समारोह में निवृत्तमान शंकराचार्य श्री सत्यमित्रानन्द गिरिजी के सारस्वत, सांसद डॉ. सत्यनारायण जटिया, संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा, वाणिज्य मंत्री श्री बाबूलाल गौर, शालेय शिक्षा राज्यमंत्री श्री पारस जैन भी उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश शासन के रंगकर्म के कालिदास सम्मान से प्रख्यात रंगकर्मी श्री बाबासाहब पुरन्दरे का सम्मान। 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' पर केन्द्रित चित्रकला एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी का आयोजन। सात दिवसीय समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं शोध गोष्ठियों के आयोजन।

----

6 से 7 जनवरी, हरिशंकर परसाई प्रसंग, ग्वालियर

श्री कृष्णदत्त पालीवाल का वक्तव्य एवं अन्य साहित्यकारों की सहभागिता। श्री राजेश दुबे द्वारा व्यंग कार्टूनों की प्रदर्शनी का आयोजन।

15 जनवरी, निरंतर रचना पाठ एवं संवाद श्रृंखला, भोपाल

पद्म श्री गोपालदास नीरज की अध्यक्षता में श्री नरेन्द्र दीपक का काव्यपाठ।

20 से 22 जनवरी, सोमदत्त-फ़जल-शानी समारोह, भोपाल

समारोह में डॉ. मनोहर वर्मा, प्रो. प्रेमशंकर रघुवंशी, श्रीमती शालिनी गर्ग, श्रीमती नेहा तिवारी का वक्तव्य। श्री आलोक चटर्जी के निर्देशन में दोस्त संस्था की नाट्य प्रस्तुति। साहित्यकार डॉ. सत्येन्द्र कुमार, इक़्बाल मजीद डॉ. धनंजय वर्मा के वक्तव्य एवं रंग शीर्ष संस्था की नाट्य एवं शानी की कहानी बिरादरी का मंचन।

9 फरवरी, निरन्तर रचना पाठ एवं संवाद श्रृंखला- भोपाल

डॉ. महेश संतोषी की अध्यक्षता में राजेन्द्र अनुरागी का काव्यपाठ।

17 एवं 18 फरवरी, सुभद्रा कुमारी चौहान स्मृति समारोह, मण्डला

डॉ. श्यामसुंदर दुबे, डॉ. दिनेश दत्त चतुर्वेदी, श्री दुर्गाप्रसाद गुप्ता, श्रीमती कुमकुम गुप्ता एवं अन्य साहित्यकारों के वक्तव्य। श्रीमती उपासना उपाध्याय के निर्देशन में तरंग संस्था, जबलपुर द्वारा खूब लड़ी मरदानी नृत्य नाटिका की प्रस्तुति।

24 एवं 25 फरवरी, माखनलाल चतुर्वेदी समारोह, उज्जैन

विक्रमसिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्र, डॉ. मोहन गुप्त, श्री कृष्ण कुमार अस्थाना एवं अन्य साहित्यकारों के वक्तव्य। श्री आलोक चटर्जी दोस्त संस्था भोपाल के निर्देशन में माखनलाल चतुर्वेदी जी द्वारा लिखित नाटक ''कृष्ण अर्जुन युद्ध'' का मंचन।

16 से 18 मार्च, पं. भवानी प्रसाद मिश्र समारोह एवं पाठक मंच कार्यशाला, अमरकंटक

प्रदेश के दूर दराज कस्बों, अंचलों, नगरों में स्थापित 56 पाठकमंच केन्द्रों की पुस्तक, संस्कृति और समय की चुनौतियाँ विषय पर कार्यशाला। साहित्यकार श्री श्रीधर पराड़कर, श्री जगदीश तोमर, श्री संतोष खरे, श्री नरेन्द्र दीपक, प्रो. रामेश्वर पंकज एवं अन्य साहित्यकारों के वक्तव्य।

29 मार्च, निरन्तर रचना पाठ एवं संवाद श्रृंखला- भोपाल

डॉ. कृष्ण चराटे की अध्यक्षता में डॉ. हरीशजोशी का व्यंग्यपाठ।

8 अप्रैल, निरन्तर रचनापाठ, भोपाल-

डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र' की अध्यक्षता में श्री दयाप्रकाश सिन्हा के नाट्य पाठ का आयोजन।

18 मई, निरन्तर रचनापाठ, भोपाल-

प्रो. गोविन्दचन्द्र पाण्डेय की अध्यक्षता में श्री अजीत रायजादा के काव्य-पाठ का आयोजन।

31 मई, विवेकानंद शिकागो यात्रा दिवस समारोह, भोपाल

''विवेकानंद और हिन्दी साहित्य'' विषय पर स्वामी आत्मभोलानंद की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन। साहित्यकार सर्व श्री नरेन्द्र कोहली, मनोज श्रीवास्तव, शत्रुध्न प्रसाद के वक्तव्य। श्रीमती वैशाली गुप्ता चिल्ड्रन थियेटर ग्रुप भोपाल की प्रस्तुति।

18 जून, निरन्तर रचनापाठ, भोपाल

श्री कृष्ण चराटे की अध्यक्षता में श्रीमती मालती जोशी के कहानी पाठ का आयोजन।

7 एवं 8 जुलाई, पद्माकर समारोह, सागर

पद्माकर की प्रतिमा पर साहित्यकारों द्वारा माल्यार्पण। डॉ. रमेश दत्त मिश्र की अध्यक्षता में डॉ. कांतिकुमार जैन एवं डॉ. श्यामसुन्दर दुबे का मुख्य वक्तव्य। सुश्री लता मुंशी के निर्देशन में पद्माकर की रचनाओं पर केन्द्रित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति। ''वर्तमान संदर्भ और रीतिकालीन साहित्य'' विषय पर विमर्श सत्र एवं बृज बुन्देली काव्यपाठ का आयोजन।

3 एवं 4 अगस्त, मैथिलीशरण गुप्त जयंती, भोपाल

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती समारोह में वैचारिक सत्रों के साथ गुप्त जी द्वारा रचित ''साकेत'' और ''भारत भारती'' रचना के अंशों का नाट्य मंचन। संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा का मुख्य आतिथ्य। ''मैथिली शरण गुप्त होने का अर्थ'' विषय पर विद्वान डॉ. कृष्णकांत पालीवाल एवं सर्वश्री अच्युतानंद मिश्र, बलदेव वंशी और मनोज श्रीवास्तव के सारगर्भित वक्तव्य। ''आधुनिक हिन्दी कविता और राष्ट्रीय चेतना'' विषय पर डॉ. रमेशचन्द्र शाह और डॉ. कृष्णचन्द्र गोस्वामी के वक्तव्य।

21 अगस्त, निरन्तर रचनापाठ - भोपाल

डॉ. धनंजय वर्मा की अध्यक्षता में श्री इन्दु प्रकाश कानूनगो अनुदित के काव्यपाठ का आयोजन।

29 एवं 30 सितम्बर, श्रीकृष्ण सरल प्रसंग, अशोकनगर

स्थानीय विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी के आतिथ्य में डॉ. हीरेन्द्र श्रीवास्तव का मुख्य वक्तव्य। श्री गोपाल दुबे के निर्देशन में सरल जी के महाकाव्य ''भगतसिंह'' पर नाट्य प्रस्तुति। काव्यपाठ में डॉ. प्रेमशंकर रघुवंशी, डॉ. लक्ष्मीनारायण शोभन, श्री कृष्ण शलभ एवं अन्य साहित्यकारों की सहभागिता।

6 एवं 7 अक्टूबर, भूषण प्रसंग, दमोह

शिक्षाविद श्री विनायक राव शेण्डे के आतिथ्य में साहित्यकार डॉ. श्यामसुन्दर दुबे, आचार्य चन्द्रभानधर द्विवेदी के मुख्य वक्तव्य। डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र' द्वारा लिखित ''भूषण भनत'' नाटक का मंचन। रीतिकाल और भूषण विषय पर डॉ. श्यामसुन्दर दुबे, डॉ. राष्ट्रबंधु, डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र', श्री नाथूराम राठौर एवं डॉ. रमेशचन्द्र खरे के वक्तव्य। भूषण का काव्य वैभव पर विचार विमर्श।

25 अक्टूबर, निरन्तर रचनापाठ-भोपाल

प्रो. गोविन्द चन्द पाण्डे की अध्यक्षता में डॉ. रमेशचन्द्र शाह का काव्यपाठ।

13 एवं 14 नवम्बर, मुक्तिबोध समारोह, श्योपुर

स्थानीय विधायक श्री दुर्गालाल विजय के आतिथ्य में साहित्यकार डॉ. श्यामसुंदर दुबे, डॉ. इंदुशेखर तत्पुरूष, डॉ. शिव बरूआ, डॉ. परशुराम शुक्ल विरही एवं अन्य साहित्यकारों की सहभागिता। चित्रकला प्रतियोगिता एवं मुक्तिबोध की रचना पर नाट्य प्रस्तुति।

24 से 26 नवम्बर, निमाड़ उत्सव, महेश्वर

मध्यप्रदेश में बोली जाने वाली चारों बोलियाँ मालवी, बुन्देली, बघेली और निमाड़ी के जनपदीय कवियों का काव्यपाठ। अहिल्या घाट के खुले मंच पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन।

8 एवं 9 दिसम्बर, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' भ्याना, शुजालपुर

कवि 'नवीन' की जन्मस्थली ग्राम भ्याना में प्रभात फेरी एवं नवीन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण। पूर्व मंत्री श्री विद्याधर जोशी, स्थानीय विधायक श्री गिरीराज मण्डलोई की उपस्थिति में स्वदेश के प्रधान संपादक श्री राजेन्द्र शर्मा का मुख्य वक्तव्य एवं अन्य साहित्यकारों की सहभागिता।

मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी - इक़्बाल साहित्य प्रभाग

7 जनवरी, शाम-ए-गज़ल, भोपाल

अल्लामा इक़्बाल एवं उनके समकालीन शायरों के क़लाम पर आधारित शाम-ए-गज़ल का संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजन।

11 मार्च, ''कुछ बात'' कार्यशाला, भोपाल

''कुछ बात'' कार्यशाला में न्यायविद्, प्रशासक, लेखक, शिक्षाशास्त्री, पत्रकार, महिला तथा युवा वर्ग से 50 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता।

21 अप्रैल, यादे इक़्बाल, भोपाल

अल्लामा इक़्बाल की 69वीं पुण्य तिथि पर यादें इक़्बाल का आयोजन। डॉ. रिफत सरोश दिल्ली, प्रो. आफाक अहमद भोपाल के वक्तव्य एवं मुशायरे का आयोजन।

3 जून, व्याख्यान एवं मुशायरा, सिरोंज (विदिशा)

''इक़्बाल और भोपाल'' विषय पर मो. तोफीक खान तथा इक़्बाल मसूद के व्याख्यान एवं मुशायरे का आयोजन।

5 अगस्त, ''1857 और उर्दू अदब'' पर सेमीनार, भोपाल

''1857 और उर्दू अदब'' विषय पर सेमीनार। शिक्षाविद् डॉ. मुख्तार शमीम, दिल्ली के डॉ. सादिक अली तथा डॉ. हीरेन्द्र श्रीवास्तव एवं सिरोंज के साहित्यकार श्री वीर नारायण शर्मा के वक्तव्य।

16 सितम्बर, उर्दू रचनाकारों की डायरेक्ट्री का प्रकाशन, भोपाल

संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा की उपस्थिति में भोपाल के सभी उर्दू रचनाकारों पर केन्द्रित डायरेक्ट्री का विमोचन।

16 अक्टूबर, नाटक इक़्बाल का मंचन, जबलपुर

जबलपुर में इक़्बाल की शायरी एवं चिंतन पर केन्द्रित नाटक का मंचन।

8 नवम्बर, इक़्बाल समारोह, भोपाल

अल्लामा इक़्बाल के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर चित्रकला तथा अन्तर महाविद्यालयीन बैतबाजी प्रतियोगिता का आयोजन।

मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी- सिन्धी साहित्य प्रभाग

5 जनवरी, सुहिणा सिन्धी समारोह, इन्दौर

इन्दौर में सिन्धी लोक संस्कृति पर आधारित सुहिणा सिन्धी समारोह पूर्व उपप्रधानमंत्री, श्री लालकृष्ण आडवाणी की उपस्थिति में आयाजित। सिन्धी भाषा के जानेमाने शायरों के गीत-संगीत की प्रस्तुति। सामाजिक नाटक ''उम्र जी संझा'' का मंचन।

11 फरवरी, युवा सिन्धु लोकरंग महोत्सव, रीवा

भारतीय सिन्धु सभा तथा सिन्धु पराग के संयुक्त तत्वावधान में सिन्धु लोकरंग संस्कृति का भव्य आयोजन। सिन्धु लोकगीत, सिन्धी काव्यपाठ की प्रस्तुति।

20 से 24 मार्च, चेटी चण्ड महोत्सव, विदिशा-जबलपुर

सिन्धी समाज के महान पर्व चेटी चण्ड के अवसर पर वित्त मंत्री श्री राघव जी, संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा की उपस्थिति में सिन्धी लोकगीत की परमानन्द प्यासी द्वारा प्रस्तुति। इसी मौके पर जबलपुर में विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी के मुख्य आतिथ्य में गीत संगीत व नाट्य प्रस्तुति।

31 मार्च, पाण्डुलिपि प्रकाशन पर अनुदान, भोपाल

सिन्धी प्रभाग द्वारा 14 सिन्धी साहित्यकारों को उनकी रचना प्रकाशन हेतु आर्थिक अनुदान प्रदान।

27 मई, सिन्धी कवि सम्मेलन बैतूल

सिन्धी साहित्य के विकास हेतु 15 युवा एवं वरिष्ठ कवियों ने सम्मेलन में अपनी कविताएँ प्रस्तुत की।

24 से 26 जून, सिन्धु दर्शन लोक यात्रा, लेह लद्दाख

लेह लद्दाख में मध्यप्रदेश के 5 साहित्यकारों एवं कलाकारों ने सिन्धु दर्शन में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी।

14 अगस्त, राष्ट्रीय चेतना जा सूर, भोपाल

भोपाल में संस्कृति मंत्री श्री लक्ष्मीकांत शर्मा की उपस्थिति में सिन्धी संस्कृति पर केन्द्रित स्कूल के बच्चों की बेहतरीन प्रस्तुति।

26 अगस्त, युवा सिन्धु महोत्सव, बुरहानपुर

युवा पीढ़ी को सिन्धु सभ्यता एवं पौराणिक लोक परम्पराओं से जोड़ने के लिए बुरहानपुर में युवा सिन्धु महोत्सव का आयोजन। युवा कलाकारों की सहभागिता।

7 अक्टूबर, स्व. बेगवानी स्मृति व्याख्यानमाला एवं पुस्तक लेखन पुरस्कार, भोपाल

स्व. खियलदास बेगवानी की स्मृति में व्याख्यानमाला का आयोजन। मुख्य वक्तव्य शिक्षाविद् श्री एस.के. रायचन्दानी द्वारा दिया गया। श्री अशोक मनवानी तथा श्री भगवान बाबानी को श्रेष्ठ कृति लेखन के लिए दस-दस हजार रूपये का पुरस्कार।

12 अक्टूबर, स्व. कृष्ण खटवानी स्मृति सभा, भोपाल

मध्यप्रदेश के शीर्ष सिन्धी के साहित्यकार स्व. श्री कृष्ण खटवानी स्मृति शोक सभा का आयोजन।

11 नवम्बर, आदि सिन्धी कवि महामति प्राणनाथ पर केन्द्रित सेमीनार, भोपाल

आदि सिन्धी कवि महामति प्राणनाथ पर केन्द्रित सेमीनार का आयोजन। देश के ख्याति प्राप्त साहित्यकार प्रो. मुरलीधर जेटली, डॉ. रवि टेकचंदानी, सुश्री रीना सिरवाणी के व्याख्यान।

उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल

29 दिसम्बर 06 से 03 जनवरी 07 मध्यप्रदेश नाट्य समारोह, बालाघाट

यह समारोह पिछले तीस वर्षों से मध्यप्रदेष के रंगकर्म की श्रेष्ठ उपलब्धियों का एक मंच माना जाता है जिसमें प्रदेष की विभिन्न भाषाओं और लोक परम्परा पर आधारित समकालीन रंगकर्म को रेखांकित किया जाता है. इस वर्ष आयोजित समारोह में विभिन्न रंगकर्मियों के 6 नाटकों का मंचन किया गया.

4-5 जनवरी, बालासाहेब पूछवाले स्मृति समारोह, ग्वालियर

ग्वालियर के सुप्रसिद्ध संगीतकार स्वर्गीय बालासाहेब पूछवाले की स्मृति में आयोजित समारोह जिसमें शाश्वती मण्डल पॉल, भोपाल, एम. व्यंकटेश कुमार-धारवाड़, रविन्द्र परचुरे, पुणे तथा सुश्री शुभदा पराड़कार मुम्बई के गायन कार्यक्रम आयोजित हुए.

5-19 जनवरी, मूर्तिकार शिविर, ग्वालियर

सृजनशील युवा मूर्तिकार/शिल्पकारों को प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं उनकी कला को कला जगत के समक्ष लाने के लिए आयोजित. विभिन्न मूर्तिकारों द्वारा पाँच फिट के पत्थर पर नृत्य विधा की विभिन्न मुद्राओं में 5 शिल्पकारों ने अपने 5 शिल्प तैयार किए जो मूर्तिकार शिविर की बड़ी उपलब्धि रही.

17-18 जनवरी, बाल नाट्य उत्सव, भोपाल

बाल प्रतिभाओं में रंगकर्म के प्रति रूचि विकसित करने एवं उनके द्वारा रंगकर्म को अभिमंचित करने के उद्देश्य से आयोजित. बालरंगमण्डल भोपाल द्वारा **इन्द्र का आसन** तथा **मूषक पुराण,** सम्प्रेषणा नाट्य मंच कटनी द्वार **तीडो राव** और ड्रामा स्कूल, इंदौर द्वारा **दीपदान** नाटकों का मंचन.

27-28 जनवरी, अमीर खाँ समारोह, इंदौर

वरिष्ठ संगीतकार मरहूम उस्ताद अमीर खाँ की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम जिसमें देश के वरिष्ठ एवं युवा कलाकार मरहूम उस्ताद अमीर खाँ साहब को अपनी संगीतांजलि अर्पित करते हैं. अब तक इसमें अनेक वरिष्ठ एवं युवा कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं. इस वर्ष साधना मोहिते, ग्वालियर-गायन, पार्थो बोस, कोलकाता-सितार, अमित मुखर्जी,कोलकाता-गायन, सतीश व्यास, मुम्बई-सन्तूर वादन आदि के कार्यक्रम आयोजित किये गये.

16-18 फरवरी, अलाउद्दीन खाँ समारोह, मैहर

विख्यात संगीत मनीषी पद्मविभूषण स्वर्गीय उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए आयोजित कार्यक्रम. युवा प्रतिभाशाली तथा प्रतिष्ठित संगीतकारों-नृत्यकारों की बाबा अलाउद्दीन खाँ को संगीतांजलि. इस वर्ष डोना गांगुली, कोलकाता-ओडिसी, संदीप चटर्जी, कोलकाता-सन्तूर, सुल्तान खाँ, मुम्बई-सारंगी वादन, असावरी पवार, नई दिल्ली-कथक नृत्य, मैहर वाद्य वृन्द, मैहर-वृन्दवादन आदि की प्रस्तुतियों सहित लगभग 20 कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया.

21 फरवरी, रज़ा पुरस्कार एवं प्रदर्शनी, भोपाल

सैयद हैदर रज़ा के सौजन्य से स्थापित रज़ा पुरस्कार प्रदर्षनी जिसके अंतर्गत 45 वर्ष से कम आयु के कवि को कविता का रज़ा पुरस्कार तथा युवा रूपंकर कलाकार को रज़ा पुरस्कार प्रदान किया जाता है. वर्ष 2007 का यह पुरस्कार रूपंकर के लिए श्री सतीश कुमार ढोके के चित्र 'जीवन की उत्पत्ति' के लिए दिया गया.

25 फरवरी से 3 मार्च, खजुराहो नृत्य समारोह, खजुराहो

अकादमी द्वारा आयोजित किया जाने वाला यह अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समारोह है जिसमें देश की शीर्षस्थ और युवा प्रतिभाशाली नृत्यांगनाएँ अपनी कला का प्रदर्शन करती हैं. यह समारोह मध्यप्रदेश ही नहीं बल्कि देश विदेश के कला जगत में अत्यंत लोकप्रिय समारोह है जिसमें इस वर्ष कुमकुम धर-कथक, रंजना गौहर-ओडिसी, उमा राहुल-संतवाणी नृत्य नाटिका, उमा मुरली कृष्ण-कुचिपुड़ी, नलिनी-कमलिनी-कथक, गीता महालिक-ओडिसी सहित अन्य 15-20 नृत्यांगनाओं ने अपने समूह के साथ शिरकत की.

23-24 मार्च, दुर्लभ वाद्य विनोद, इंदौर

दुर्लभ वाद्यों के कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस समारोह का आयोजन किया जाता है. इस वर्ष कल्याण ओंकार अपार-शहनाई, उल्हास बापट-सन्तूर, बाबूलाल गन्धर्व-बेलाबहार, डालचन्द्र शर्मा-पखावज सहित अन्य कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया.

25-26 मार्च, सारंगी उत्सव, भोपाल

भोपाल के सुप्रसिद्ध सारंगी नवाज़ पद्मश्री स्वर्गीय उस्ताद अब्दुल लतीफ खाँ की स्मृति को समर्पित. इस वर्ष अनवर हुसैन, मोईनुद्दीन खाँ के सारंगी वादन सहित अन्य कलाकारों की गायन-वादन प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं.

8-9 अप्रैल, कुमार गन्धर्व समारोह एवं अलंकरण, देवास

मूर्धन्य संगीतकार स्वर्गीय पण्डित कुमार गन्धर्व की स्मृति आयोजित इस समारोह में इस वर्ष सुश्री आरती अंकलीकर टिकेकर को कुमार गन्धर्व सम्मान से विभूषित किया गया जिसमें पार्थो सारथी का सरोद, रमा वैद्यनाथन् का भरतनाट्यम, नीलाद्रि कुमार-सितार के अलावा अन्य कलाकारों की भी प्रस्तुतियाँ हुई.

10 मई से 15 जून, बाल रंग शिविर

बाल प्रतिभाओं को रंगकर्म की बारीकियों का प्रारम्भिक प्रशिक्षण एवं रंगकर्म के प्रति उनकी प्रतिभा का विकास करने के उद्देश्य से आयोजित शिविर. इस वर्ष यह शिविर 10 शहरों में क्रमशः ग्वालियर, हरदा, खण्डवा, दमोह, सतना, कटनी, उज्जैन, भोपाल, बंडा, और देवास में आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया.

27-29 मई, उत्तराधिकार एवं समागम, नरसिंहपुर

भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में युवा कलाकारों को विशेष प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विवेक चन्देल-तबला, अमृता नायर- कुचिपुड़ी, राजेन्द्र विश्वरूप-सुरबहार वादन, मधुमिता नकवी-गायन आदि के अलावा अन्य 15-20 कलाकारों ने शिरकत की।

25 मई से 26 जून, ग्रीष्मकाल विशेष नृत्य कार्यशाला, भोपाल

भोपाल की प्रसिद्ध नृत्यांगना डॉ0 विजया शर्मा के निर्देशन में लगभग 65 बच्चों ने ग्रीष्मकाल में कथक नृत्य का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया.

25 मई से 26 जून, ग्रीष्मकाल धु्पद कार्यशाला, ग्वालियर

ग्वालियर के युवा ध्रुपद गायक श्री अभिजीत सुखदाणे के संचालन में प्रशिक्षणार्थीओं ने ध्रुपद गायन का प्रारंभिक एवं क्रियात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2 से 7 जून, विशेष नृत्य कार्यशाला, भोपाल

इस कार्यशाला का संचालन सुप्रसिद्ध एवं गुरू श्रीमती कनक रेले, मुम्बई द्वारा किया गया। जिसमें युवा प्रतिभाओं ने नृत्य के विभिन्न पक्षों एवं बारीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह कार्यशाल अभिनय तथा नाट्यशास्त्र विषय पर केन्द्रित थी।

10 से 16 जून, विशेष तबला कार्यशाला, भोपाल

इस कार्यशाला का संचालन सुप्रसिद्ध तबला वादक एवं गुरू पंडित सुरेश तलवलकर, पुणे द्वारा किया गया। जिसमें प्रदेश की 32 युवा प्रतिभाओं ने ताल एवं लय की जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में नृत्य के साथ तबला वादन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

22 से 26 जून, चित्रकला शिविर, अमरकंटक

इस शिविर में निर्देशक वरिष्ठ चित्रकार श्री लक्ष्मीनारायण भावसार के मार्गदर्शन में प्रदेश के 10 युवा प्रतिभाशाली चित्रकारों ने भाग लिया जिसमें अमरकंटक की सुन्दर प्राकृतिक छवियों का दृश्यांकन कर 21 चित्रों की निर्मिति हुई।

30-31 जुलाई, 113वां गुरूपूर्णिमा संगीत समारोह, बकायन, दमोह

मृदंगाचार्य नाना साहेब पानसे की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री संदीप चटर्जी, कोलकाता-संतूर वादन, श्री सिद्धार्थ शंकर द्विवेदी एवं दल, टीकमगढ़- भरतनाट्यम समूह नृत्य, श्री देवाशीष डे, बनारस- गायन तथा श्री देवाशीष भट्टाचार्य, कोलकाता- गिटार वादन की प्रस्तुतियां हुई। इनके अलावा विभिन्न कलाकारों ने गायन-वादन और नृत्य की प्रस्तुतियां दी। समारोह में लगभग 25 कलाकारों ने शिरकत की।

22-23 अगस्त, बाल संगीत समारोह एवं समागम, बालाघाट

बाल कलाकारों पर केन्द्रित इस कार्यक्रम में यश वासुदेव आपटे, उज्जैन-तबला एकल, अदिति काले, बिलासपुर-कथक, अमेय विवेक रहालकर, भोपाल-गायन सहित अन्य बाल कलाकारों ने अपनी गायन-वादन तथा नृत्य प्रस्तुतियां दी।

7-8 सितम्बर, मध्यप्रदेश संगीत समारोह, उज्जैन

युवा प्रतिभाशाली एवं प्रतिष्ठित कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विजय सप्रे, भोपाल-गायन, सज्जन लाल भट्ट, भोपाल- गायन, अफजल हुसैन, औरंगाबाद-ध्रुपद गायन तथा एस.के. दासगुप्ता, भोपाल- सरोद वादन सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

14 से 19 सितम्बर, मध्यप्रदेश कला प्रदर्शनी, ग्वालियर

प्रदेष के समकालीन युवा चित्रकारों को पुरस्कृत कर कलाधर्मिता में अभिवृद्धि करने तथा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम। जिसमें चार चित्रकारों एवं एक मूर्तिकार को पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं पांच कलाकारों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

18 से 20 सितम्बर, अलाउद्दीन ख़ाँ व्याख्यानमाला, भोपाल

भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति आम रसिकों में रूचि और समझ विकसित करने के उद्देष्य से अकादमी द्वारा इस समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं पर विषेषज्ञों के सोदाहरण व्याख्यान रखे जाते हैं। अब तक इस व्याख्यान माला में विभिन्न शीर्षस्थानीय कलाकारों के व्याख्यान आयोजित किए जा चुके हैं। इस वर्ष मूर्धन्य विद्वान

तथा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के तबला वादक पण्डित सुरेश तलवलकर (मुम्बई) का ताल एवं लय पर केन्द्रित सारगर्भित व्याख्यान सह प्रदर्शन हुआ।

18 सितम्बर, बालरंगमण्डल की गतिविधियाँ, भोपाल

बाल प्रतिभाओं में रंगकर्म और अन्य ललित कलाओं के प्रति रूचि विकसित करने के उद्देश्य से अकादमी के अंतर्गत संचालित बालरंगमण्डल द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ किया गया।

22 से 23 सितम्बर, अलाउद्दीन ख़ाँ व्याख्यानमाला, ग्वालियर

व्याख्यान माला की श्रृंखला में तानसेन कला वीथिका, ग्वालियर में विख्यात संगीत चिकित्सक एवं संगीतज्ञ अतिथि विद्वान डॉ. भास्कर खाण्डेकर (जबलपुर) ने अपने व्याख्यान का लाभ श्रोताओं को पहुँचाया। विषय इतना रूचिकर था कि लगभग 1 घंटे तक प्रश्नोत्तार चलता रहा।

22 से 27 सितम्बर, रज़ा पुरस्कार एवं प्रदर्शनी, ग्वालियर

इस प्रदर्शनी में श्री नमन दवे, इंदौर को उनकी कलाकृति के लिए रज़ा पुरस्कार (रूपंकर) से सम्मानित किया गया। इस प्रदर्शनी में 37 कलाकारों की 44 कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई।

28 सितम्बर, मासिक तानसेन रसिक श्रृंखला, ग्वालियर

प्रतिमाह सम्पन्न होने वाली तानसेन रसिक श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 28 सितम्बर को सुश्री वीणा जोशी का गायन एवं श्री अंकुर धारकर के वायोलिन वादन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें सैकड़ों श्रोताओं ने उपस्थित होकर संगीत सभा का रसास्वादन किया।

29 सितम्बर, मासिक तानसेन रसिक श्रृंखला, भोपाल

कला वीथिका, भोपाल में श्री बलवंत पुराणिक के शास्त्रीय गायन की सभा आयोजित की गई जिसमें भारी संख्या में संगीत रसिक उपस्थित थे।

27 अक्टूबर, मासिक तानसेन रसिक श्रृंखला, भोपाल

कला वीथिका भोपाल में सुश्री सुलेखा भट्ट धारकर (भोपाल) तथा ग्वालियर घराने के मूर्धन्य गायक पंडित राम मराठे द्वारा शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया।

29 अक्टूबर, मासिक तानसेन रसिक श्रृंखला, ग्वालियर

कला वीथिका ग्वालियर में प्रतिभाशाली कलाकार श्री अनूप मोघे का शास्त्रीय गायन तथा श्री मजीद खाँ का शहनाई वादन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

1 से 15 नवम्बर, बाल रंगमण्डल के अंतर्गत शिविर

आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत बाल रंगमण्डल की गतिविधियाँ प्रदेश खण्डवा, पन्ना, उज्जैन, छिंदवाड़ा, सतना, इंदौर, सीधी, जबलपुर, रीवा, खरगौन, दमोह, भोपाल, ग्वालियर और कटनी शहरों में आयोजित की गई.

4-6 नवम्बर, माण्डू उत्सव, माण्डू

शास्त्रीय नृत्य एवं लोक कलाओं पर केन्द्रित इस कार्यक्रम में सुश्री मंजली आलेगॉवकर, पुणे-गायन, श्री बुद्धादित्य मुखर्जी, हावड़ा-सितार, गुरू दुर्गाचरण रणवीर एवं दल, भुवनेश्वर-ओडिसी नृत्य, सुश्री रानी खानम, दिल्ली-कथक नृत्य के कार्यक्रमों के अलावा अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियाँ दीं. इसके अलावा भांगड़ा तथा राजस्थानी कालबेलिया नृत्य और कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया जिसमें भारी संख्या में दर्शक-श्रोता उपस्थित थे।

14 नवम्बर से 31 दिसम्बर, बाल फिल्म समारोह

बाल चित्र समिति, मुम्बई के सहयोग से अकादमी द्वारा बाल दिवस के अवसर पर 14 नवम्बर से 31 दिसंबर, 2007 तक सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में बाल फिल्म समारोह का आयोजन किया गया है जिसमें बच्चों के लिए फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है.

23 एवं 24 नवम्बर, विश्व धरोहर सप्ताह के अंतर्गत संगीत सभाऐं, भोपाल

अकादमी एवं राज्य संग्रहालय, पुरातत्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से **विश्व धरोहर सप्ताह** के अंतर्गत भोपाल के राज्य संग्रहालय सभागृह में दिनांक 23-24 नवम्बर 2007 को दो दिवसीय संगीत सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिन मुम्बई के प्रसिद्ध बेलाबहार वादक श्री बाबूलाल गंधर्व के बेलाबहार वादन की मोहक एवं सफल प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम के दूसरे दिन 24 नवम्बर को भोपाल की प्रसिद्ध युवा गायिका सुश्री रूचिरा काले द्वारा गायन एवं मुम्बई से पधारे प्रसिद्ध युवा सुरबहार वादक श्री पुष्पराज कोष्ठी ने सफल प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

26 नवम्बर, मासिक तानसेन रसिक श्रृंखला, ग्वालियर

तानसेन कला वीथिका ग्वालियर में युवा तबला वादक श्री गान्धार राजहंस एवं युवा गायिका सुश्री दीप्ति मोरगाँवकर ने अपने उत्कृष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिससे ग्वालियर एवं आसपास क्षेत्रों के अनेक कलाप्रेमी लाभांवित हुये।

29 नवम्बर, मासिक तानसेन रसिक श्रृंखला, भोपाल

काकली संगीत संस्था, भोपाल के सहयोग से अकादमी द्वारा कला वीथिका भोपाल में 29 नवम्बर 2007 को प्रदेश के वरिष्ठ सरोद वादक श्री शिवेन्द्र कुमार दासगुप्ता का सरोद वादन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भोपाल शहर के अनेक संगीत विद्यार्थी, संगीत रसिक एवं कलाकारों ने संगीत का आनंद लिया।

7-10 दिसम्बर, तानसेन समारोह, ग्वालियर

संगीत सम्राट तानसेन की स्मृति में अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष ग्वालियर में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त **तानसेन समारोह** का आयोजन किया जाता है. इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा वरिष्ठ कलाकार को तानसेन सम्मान से अलंकृत भी किया जाता है. इस वर्ष 2007 का यह सम्मान पण्डित गोस्वामी गोकुलोत्सव जी महाराज को प्रदान किया गया।

समारोह का शुभारंभ 7 दिसम्बर को शाम 7 बजे हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृति, जनसम्पर्क एवं खनिज साधन मंत्री, श्री लक्ष्मीकांत शर्मा, विशिष्ट अतिथि विधायक श्री ध्यानेन्द्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह इस बार 7 से 10 दिसंबर तक ग्वालियर में आयोजित किया गया जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत के लगभग 30-35 कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया जिनमें प्रमुख कलाकार पण्डित कृष्णराम चौधरी एवं दल, बनारस-शहनाई, पंडित गोस्वामी गोकुलोत्सव जी महाराज, इंदौर-गायन, पण्डित डी. के. दातार, मुम्बई-वायोलिन, श्री ब्रजनारायण, मुम्बई-सरोद, श्री राजन-साजन मिश्र, नई दिल्ली-गायन, सुश्री कमला शंकर, नई दिल्ली-गिटार, श्री तरूण भट्टाचार्य, हावड़ा-सन्तूर, पण्डित अजय चक्रवर्ती, कोलकाता-गायन तथा श्री शाहिद परवेज, पुणे-सितार आदि प्रमुख थे।

....

3 से 12 जनवरी, आजाद संदेश यात्रा इलाहाबाद-भाबरा

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद जन्म शती समारोह अंतर्गत 3 से 12 जनवरी, 2007 तक इलाहाबाद से भाबरा (झाबुआ) तक आजाद संदेश यात्रा आयोजित की गयी। आजाद के कृतित्व, व्यक्तित्व तथा तेजस्वी विचारों को एक बार फिर लोक समाज को उपलब्ध कराने, आजाद के सपनों का भारत तलाशने और आजाद की बातों-इरादों और संकल्पों पर फिर से स्मरण करने की दृष्टि से आयोजित इस यात्रा में छोटी-बड़ी कोई 60 से अधिक सभाएँ आयोजित हुईं जिनमें देश-प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों की भागीदारी रही। यात्रा के दौरान विभिन्न पड़ावों पर आजाद के व्यक्तित्व-कृतित्व पर केन्द्रित नुक्कड़ नाटकों के लगभग 150 से अधिक प्रदर्शन, आजाद पर केन्द्रित प्रदर्शनी आयोजित की गयी एवं पुस्तकों का प्रकाशन किया गया।

26 जनवरी, नन्हें कदम राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार, भोपाल

रवीन्द्र भवन मुक्ताकाश मंच पर राज्यपाल डॉ.बलराम जाखड़ द्वारा नन्हें कदम राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगितांतर्गत पुरस्कृत आठ बच्चों को सम्मानित किया गया।

30 जनवरी, पीर पराई जाने रे........ भोपाल

पीर पराई जाने रे........ कार्यक्रम अंतर्गत प्रख्यात शास्त्रीय गायक पं.जसराज की भक्ति संगीत संध्या आयोजित की गयी। इसी शाम वतन का राग अंतर्गत आजादी के यादगार तरानों की सीडी वंदे मातरम् का लोकार्पण भी किया गया।

19 मार्च, जनयोद्धा कैलेण्डर लोकार्पण, भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा भारत भवन भोपाल में भारत की स्वाधीनता के लिए जनजातीय संघर्ष पर केन्द्रित कैलेण्डर जनयोद्धा का लोकार्पण किया।

13-18 अप्रैल, 1857 : स्वातंत्र्य समर प्रदर्शनी, शिवपुरी

अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस अवसर पर शिवपुरी में 1857 : स्वातंत्र्य समर चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गयी।

10 मई, चित्र प्रदर्शनी एवं वतन का राग कार्यक्रम, भोपाल

1857 मुक्ति संग्राम के 150 वर्ष समारोह अवसर पर स्वराज भवन, भोपाल में भारत की स्वाधीनता के लिए जनजातीय संघर्ष चित्र प्रदर्शनी एवं इसी दिन शाम को भारत भवन भोपाल में युवा संगीतकार उमेश तरकसवार के निर्देशन में आजादी के तरानों पर केन्द्रित कार्यक्रम वतन का राग आयोजित किया गया।

17-18 जून, आजाद सम्मान समारोह, चित्र प्रदर्शनी एवं वतन का राग कार्यक्रम, ग्वालियर

वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेला अंतर्गत जरा याद करो कुर्बानी प्रदर्शनी एवं युवा संगीतकार उमेश तरकसवार के निर्देशन में आजादी के तरानों पर केन्द्रित कार्यक्रम वतन का राग आयोजित किया गया।

18 जून को पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की उपस्थिति में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद राष्ट्रीय सम्मान समारोह 2006-07 से अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जशपुर (छत्तीसगढ़) को 1.50 लाख रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

24 से 31 जुलाई, 1857 मुक्ति संग्राम चित्र प्रदर्शनी, नयीदिल्ली

1857 मुक्ति संग्राम के 150 वीं वर्षगांठ अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नयीदिल्ली में स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारियों पर चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गयी।

15 अगस्त, जश्ने-जम्हूरियत, भोपाल

स्वाधीनता दिवस की 60 वीं वर्षगांठ अवसर पर जश्ने-जम्हूरियत अंतर्गत शीर्षस्थ गायक श्री हरिहरन के तरानों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी अवसर पर आजादी के यादगार तरानों पर केन्द्रित आडियो एलबम जन गरजै की 15 आडियो सी.डी. लोकार्पित की गयीं।

2 अक्टूबर, बाल चित्रकला प्रतियोगिता, भोपाल

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस एवं गांधी जयंती पर बाल चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 400 बच्चे सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता में पुरस्कृत बच्चों का सम्मानित भी किया गया।

1 नवम्बर, नन्हें कदम चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता, समस्त जिला मुख्यालय

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस अवसर पर प्रदेश के 48 जिला मुख्यालयों के उत्कृष्ट विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं के लिए नन्हें कदम चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में पुरस्कृत लगभग 768 बच्चों को 26 जनवरी को जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्मानित भी किया जायेगा।

16 से 18 नवम्बर, जनयोद्धा नाट्य समारोह, खण्डवा

स्वाधीनता संग्राम एवं जनजातीय चेतना पर एकाग्र जनयोद्धा नाट्य समारोह अंतर्गत गौरीकुंज सभागृह खण्डवा में नवीन चौबे के निर्देशन में हंसा करले किलोल, संजय मेहता के निर्देशन में जनयोद्धा-टंट्या भील एवं तरुण दत्त पांडे के निर्देशन में भीमा नायक नाटकों का मंचन किया गया।

17 से 19 नवम्बर, जनयोद्धा नाट्य समारोह, खरगौन

स्वाधीनता संग्राम एवं जनजातीय चेतना पर एकाग्र जनयोद्धा नाट्य समारोह अंतर्गत टाउनहाल, नगरपालिका सभागृह खरगौन में नवीन चौबे के निर्देशन में हंसा करले किलोल, संजय मेहता के निर्देशन में जनयोद्धा-टंट्या भील एवं तरुण दत्त पांडे के निर्देशन में भीमा नायक नाटकों का मंचन किया गया।

18 से 20 नवम्बर, बाल नाट्य समारोह, भोपाल

1857 मुक्ति संग्राम के 150 वर्ष अंतर्गत बाल नाट्य समारोह अंतर्गत भारत भवन, भोपाल में विनोद मिश्र के निर्देशन में मृत्युदण्ड, मनोज नायर के निर्देशन में मैं गांधी बन जाऊँ, आनंद मिश्र के निर्देशन में नन्हा क्रांतिकारी, इरफान सौरभ के निर्देशन में माँ का सपना, गीतांजलि गिरवाल के निर्देशन में निमाड़ का सपूत, प्रवीण चौबे के निर्देशन में रणवीर एवं सादात भारती के निर्देशन में जंगे-आज़ादी नाटकों का मंचन किया गया।

25 से 27 नवम्बर, जनयोद्धा नाट्य समारोह, महू

स्वाधीनता संग्राम एवं जनजातीय चेतना पर एकाग्र जनयोद्धा नाट्य समारोह अंतर्गत जाल सभागृह महू में बालेन्दु सिंह के निर्देशन में हरदौल, राजकुमार रायकवाड़ के निर्देशन में छोटी सी चिंगारी एवं माधव बारीक के निर्देशन में अवंतिबाई नाटकों का मंचन किया गया।

26 से 28 नवम्बर, जनयोद्धा नाट्य समारोह, धार

स्वाधीनता संग्राम एवं जनजातीय चेतना पर एकाग्र जनयोद्धा नाट्य समारोह अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय धार में बालेन्दु सिंह के निर्देशन में हरदौल, राजकुमार रायकवाड़ के निर्देशन में छोटी सी चिंगारी एवं माधव बारीक के निर्देशन में अवंतिबाई नाटकों का मंचन किया गया।

27 से 29 नवम्बर, जनयोद्धा नाट्य समारोह, झाबुआ

स्वाधीनता संग्राम एवं जनजातीय चेतना पर एकाग्र जनयोद्धा नाट्य समारोह अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय सभागृह, झाबुआ में बालेन्दु सिंह के निर्देशन में हरदौल, राजकुमार रायकवाड़ के निर्देशन में छोटी सी चिंगारी एवं माधव बारीक के निर्देशन में अवंतिबाई नाटकों का मंचन किया गया।

2 से 8 दिसम्बर, आदि विद्रोही नाट्य समारोह, भोपाल

स्वाधीनता संग्राम एवं जनजातीय चेतना पर एकाग्र आदि विद्रोही नाट्य समारोह अंतर्गत भारत भवन भोपाल में अलखनंदन लखनऊ के निर्देशन में मुक्ति संग्राम 1857, नज़ीर कुरैशी, भोपाल के निर्देशन में नील दर्पण, संजय उपाध्याय,पटना के निर्देशन में धरती आबा, केवल धालीवाल, अमृतसर के निर्देशन में कुकनूस भगतसिंह, सईद आलम, नयीदिल्ली के निर्देशन में रहे नाम, रतन थियाम, इम्फाल के निर्देशन में चक्रव्यूह एवं शरद शर्मा, उज्जैन के निर्देशन में जनमेजय का नागयज्ञ नाटकों का मंचन किया गया।

वतन का राग (रेडियो कार्यक्रम)

स्वाधीनता संघर्ष पर देश के कोने-कोने में लिखे और प्रचलित हुए आजादी के तरानों को संगीतबद्ध कर वतन का राग रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से मध्यप्रदेश में आकाशवाणी के सभी केन्द्रों पर प्रति गुरूवार प्रातः 8.30 बजे तथा एवं विविध भारती के मध्यप्रदेश स्थित एफएम चैनलों पर प्रति रविवार प्रातः 9.00 बजे का प्रसारण किया जा रहा है। जनवरी से दिसम्बर 2007 तक 52 एपिसोड के 104 प्रसारण किये गये।

हिंदोस्तां हमारा (रेडियो कार्यक्रम)

स्वाधीनता संघर्ष की महागाथा पर केन्द्रित रेडियो कार्यक्रम हिंदोस्तां हमारा के प्रसारण का शुभारम्भ 2 दिसम्बर. 2007 से हुआ है। रेडियो कार्यक्रम अंतर्गत आजादी के रणबांकुरों की क्रांतिकथा के जाने-पहचाने और अनजाने पन्ने, अनुसूचित जाति और जनजाति सहित सभी अमर बलिदानियों की प्रेरक कथाओं को हर रविवार दिल्ली मुंबई, लखनऊ तथा हर बुधवार भोपाल, इन्दौर, जबलपुर के विविध भारती पर सुबह 9.30 से 10.00 बजे तक प्रसारित किया जा रहा है।

स्वाधीनता फैलोशिप :

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा स्वाधीनता संग्राम पर केन्द्रित शोध-अन्वेषण के लिए 1.00-1.00 लाख रुपये राशि की स्वाधीनता फैलोशिप श्री शंभुदयाल गुरू, डॉ.सुरेश मिश्र एवं डॉ. विजय चौरसिया को प्रदान की गयीं।

प्रकाशन :

वर्ष 2007 में आजाद कथा, श्री कृष्ण सरल की पुस्तक क्रांतिकारी शहीद चन्द्रशेखर आजाद, सुधीर विद्यार्थी, पुस्तक अग्नि पुंज, विश्वनाथ वैश्म्पायन की पुस्तक अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद, सुरेश मिश्र की हीरापुर के हिरदेशाह, पं. रमाबल्लभ पाण्डेय 'बटोही' की विश्वामित्र की राष्ट्रीय अवधारणा का प्रकाशन किया गया। साथ ही स्वराज संदर्भ फीचर सेवा के

24 अंक एवं स्वराज संदर्भ बुलेटिन के अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद, 1857 मुक्ति संग्राम एवं वंदे मातरम् पर केन्द्रित तीन अंकों का प्रकाशन किया गया।

देशभर में संस्कृति के क्षेत्र में भारतभवन की एक अलग ही पहचान है। वर्ष 2007 में इसका सांस्कृतिक केन्द्र में अनेक उल्लेखनीय आयोजन हुए हैं।

5 जनवरी : **साप्ताहिक रंगमंच** के अन्तर्गत शेडो नाट्य संस्था, भोपाल द्वारा नाटक **ज़ेब कतरा** की प्रस्तुति।

7 जनवरी : **पाठ** शृंखला के अन्तर्गत श्री नरेन्द्र कोहिली का **कथापाठ** तथा **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **मिर्च मसाला** की प्रस्तुति।

9 जनवरी : **रूपाभ** प्रदर्शनी शृंखला के अन्तर्गत सुश्री सुचिता रावत के **चित्रों** तथा श्री नीरज अहिरवार के **शिल्पों** की **प्रदर्शनी।**

13-14 जनवरी : रंगशीर्ष नाट्य संस्था, भोपाल द्वारा **पूर्वरंग** के अन्तर्गत हरिशंकर परसाई की **कहानियों का मंचन।**

14 जनवरी : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत बंगला फ़िल्म **अजांत्रिक** का प्रदर्शन।

14 जनवरी : **पाठ** शृंखला के अन्तर्गत श्री कमलेश का **कविता पाठ।**

16-21 जनवरी : **रूपाभ** शृंखला के अन्तर्गत श्री प्रकाशस्वरूप भटनागर के चित्रों की **प्रदर्शनी।**

20-21 जनवरी : **पूर्वरंग** के अन्तर्गत वीरेन्द्र कोरे का **बांसुरी वादन।**

21 जनवरी : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत **उत्तारायण** फ़िल्म का प्रदर्शन।

27 जनवरी : **साप्ताहिक रंगमंच** के अन्तर्गत इफ़्तेखार क्रिकेट अकादमी द्वारा नाटक **बण्डु बाघमारे** की प्रस्तुति।

28 जनवरी : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **दि लास्ट इम्परर** की प्रस्तुति।

28 जनवरी : **सप्तक** शृंखला के अन्तर्गत सुश्री सरोजा वैद्यनाथन का **भरतनाट्यम।**

30-31 जनवरी : **साप्ताहिक रंगमंच** के अन्तर्गत नट बुन्देले, भोपाल द्वारा नाटक **ताम्रपत्र** की प्रस्तुति।

3 फरवरी : **सुबह** शृंखला के अन्तर्गत किशोरी अमोणकर का **शास्त्रीय गायन।**

4 फरवरी : युवा के अंतर्गत हिन्दी लेखकों की युवतम पीढ़ी पर केन्द्रित रचना पाठ **युवा** के अन्तर्गत सर्वश्री हरेप्रकाश उपाध्याय, गीत चतुर्वेदी, विशाल श्रीवास्तव, सर्वेन्द्र विक्रम, कुमार वीरेन्द्र का **कविता पाठ** और श्री मनोज कुमार पाण्डे, श्री राकेश मिश्र, सुश्री अल्पना मिश्र, श्री शशिभूषण द्विवेदी और श्री चन्दन पाण्डे का **कहानी पाठ।**

13-20 फरवरी : **भारत भवन रजत जयन्ती समारोह** के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के लगभग 30 कलाकारों पर केन्द्रित **कला मेला,** भारत भवन अन्तरराष्ट्रीय छापा कला **द्वैवार्षिकी में पुरस्कृत** छापा चित्रों की **प्रदर्शनी**, **मुन्शी प्रेमचन्द** पर केन्द्रित दस्तावेजों, छायाचित्रों, पाण्डुलिपियों की **प्रदर्शनी**, **अखिल भारतीय** आदिवासी लोक कलाकार **शिविर**, गणेश नाट्यालय, नयी दिल्ली के कलाकार सुश्री सरोजा वैद्यनाथन (भरतनाट्यम), सुश्री

भारती शिवाजी (मोहिनी अट्टम) और सुश्री उमा डोंगरा (कथक) द्वारा **त्रि-धारा** नृत्य की प्रस्तुति, पण्डित रघुनाथ सेठ और सहयोगी कलाकारों द्वारा **बाँसुरी की यात्रा** की प्रस्तुति, सुश्री सुरभि सिंह, सुश्री आकांक्षा श्रीवास्तव तथा उनके सहयोगी कलाकारों द्वारा **कथक** की प्रस्तुति, सुश्री मालिनी अवस्थी का **उप शास्त्रीय गायन**, श्री यूनिस गिल का **सूफी गायन,** श्री नवकिशोर मिश्र के शिष्यों द्वारा **ओडिसी नृत्य** की प्रस्तुति, सुश्री नाडिया द्वारा **कुचिपुड़ी नृत्य** की प्रस्तुति, श्री शेखर सेन द्वारा **कबीर** की एक पात्रीय **नाट्य प्रस्तुति**, भोपाल के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों की **बालचित्र कला प्रतियोगिता** और **मध्यप्रदेश, उत्तारप्रदेश, पंजाब, उड़ीसा, गुजरात** तथा **आन्ध्रप्रदेश** के लोक कलाकारों द्वारा **विभिन्न नृत्यों की प्रस्तुति।**

27 फरवरी : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **शिण्डलर्स लिस्ट** का प्रदर्शन।

1 मार्च : **पाठ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री अभिमन्यु अनत का **कहानी पाठ।**

10 मार्च : **पाठ** श्रृंखला के अन्तर्गत सुश्री मेहरुन्निसा परवेज़ का **कहानी पाठ।**

10-11 मार्च : **पूर्वरंग** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री विजय चँदेरी द्वारा **कबीर** और **तुलसी** के पदों का **गायन।**

11 मार्च : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत **बैजू बावरा** हिन्दी फ़िल्म की प्रस्तुति।

18 मार्च : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **दि परफेक्ट मर्डर** की प्रस्तुति।

25 मार्च : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **पिंजर** की प्रस्तुति।

8 अप्रैल : **आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री व्याख्यानमाला** के अन्तर्गत **संकल्प और कल्प : प्राचीन अरबी और ग्रीक कविता** विषय पर **श्री वागीश शुक्ल** का व्याख्यान।

10-15 अप्रैल : **रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री देवीलाल पाटीदार के चित्रों की **प्रदर्शनी।**

14 अप्रैल : **पूर्वरंग** श्रृंखला के अन्तर्गत चिल्ड्रन थियेटर अकादमी द्वारा **रंग संगीत** की प्रस्तुति।

15 अप्रैल : **तसलीमा नसरीन प्रसंग :** सर्वश्री अनिल माधव दवे, मोहन कृष्ण बोहरा, दयाप्रकाश सिन्हा के वक्तव्य और सुश्री तसलीमा नसरीन से श्रोताओं की बातचीत। तसलीमा नसरीन की आत्मकथा के पाँचवे खण्ड **मुझे घर ले चलो** का **विमोचन।**

22 अप्रैल : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत बँगला फ़िल्म **जुत्ति तोक्को ऑर गल्प** का प्रदर्शन।

29 अप्रैल : **श्री अनीस आज़मी** द्वारा ग़ालिब के खुतूत का **नाट्य पाठ।**

29 अप्रैल : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **अमेडियल** का प्रदर्शन।

4 मई : **पूर्वरंग** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री दिनेश राय का **नाट्य पाठ।**

10-24 मई : **रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री शान्ति दवे और सुश्री शोभा घारे तथा सुश्री गोरी देवी के चित्रों की **प्रदर्शनी।**

12-13 मई : **1857 के स्वतन्ता संग्राम** पर केन्द्रित **संगोष्ठियों** में श्री अनिल माधव दवे, सुश्री मीनाक्षी जोशी, श्री रामेश्वर मिश्र 'पंकज', श्री हरेन्द्र श्रीवास्तव और श्री कैलाशचन्द्र पन्त के **वक्तव्य।**

13 मई : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **पेस्टन जी** का प्रदर्शन।

15-20 मई : **रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री कैलाश तिवारी के चित्रों की **प्रदर्शनी।**

2-24 मई : शरद जोशी पर केन्द्रित आयोजन के अन्तर्गत **हिन्दी व्यंग्य लेखन में शरद जोशी का योगदान** विषय पर श्री ज्ञान चतुर्वेदी का **वक्तव्य,** श्री कृष्ण चराटे, श्री माणिक वर्मा तथा श्री ज्ञान चतुर्वेदी का **रचना पाठ** और चिल्ड्रन थियेटर अकादमी द्वारा श्री प्रेम गुप्ता के निर्देशन में शरद जोशी के नाटक **एक था गधा** की प्रस्तुति।

25-26 मई : **आरम्भ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री सौरभ कुमार नाहर का **शास्त्रीय गायन,** सुश्री प्रियंका रतौनिया का **तबला वादन**, श्री अल्ला रखा का सितार वादन और सुश्री अमिता सिन्हा का **धु्रपद गायन।**

27 मई : **पूर्वरंग** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री शशांक मुखर्जी व सुश्री प्रज्ञा मुखर्जी का **रंग संवाद।**

27 मई : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **सीक्रेट एजेण्ट** का प्रदर्शन।

27 मई : **संवाद** श्रृंखला के अन्तर्गत **उच्चारण की परम्परा** विषय पर श्री कुमार शाहनी का **व्याख्यान।**

2 जून : **महादेवी वर्मा पर केन्द्रित आयोजन** के अन्तर्गत श्रीमती वेणु गदे द्वारा महादेवी वर्मा की कविताओं का **गायन** और महादेवी वर्मा की प्रतिनिधि रचनाओं की सांगीतिक प्रस्तुति की **सी.डी. का लोकार्पण**, महादेवी वर्मा की **रचनाओं की सांगीतिक प्रस्तुति** और डॉ. नीरजा माधव, डा. विनय राजाराम, श्री सत्येन्द्र शर्मा और श्री कृष्णदत्ता पालीवाल के **वक्तव्य।**

3 जून : **भारतीय सांस्कृतिक चिन्तन परम्परा में ज्योर्तिविज्ञान** विषय पर डॉ. पवन सिन्हा का **व्याख्यान।**

3 जून : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **निशान्त** का प्रदर्शन।

5-10 जून : **रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री राजेन्द्र जांगले के छायाचित्रों की **प्रदर्शनी।**

9 जून : **मासिक रंगमंच** श्रृंखला के अन्तर्गत विवेचना, जबलपुर द्वारा नाटक **मायाजाल** की प्रस्तुति।

10 जून : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **ऑलीवर** का प्रदर्शन।

16 जून : **पूर्वरंग** श्रृंखला के अन्तर्गत श्री सुरेश शुक्ल एवं श्री अशोक बुलानी का **रंग संवाद।**

24 जून : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **दोस्ती** का प्रदर्शन।

25 जून :	**अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का दमन : सर्जनात्मक साहस की चुनौती** विषय पर श्री राघव जी, श्री अनिल माधव दवे, श्री जगदीश तोमर, श्री अरुण भगत, श्री आरिफ़ बेग और श्री रामेश्वर मिश्र 'पंकज' के **वक्तव्य**।
3 जुलाई :	**श्री सैयद हैदर रज़ा** के चित्रों की **प्रदर्शनी**।
6-8 जुलाई :	**अतिथि नाट्य प्रस्तुतियों** की शृंखला के अन्तर्गत **अंक, मुम्बई** के कलाकारों द्वारा **श्री दिनेश ठाकुर** द्वारा निर्देशित नाटक **मित्र, हमेशा** एवं **हम दोनों** की प्रस्तुतियाँ।
15 जुलाई :	**साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **लॉरेन्स ऑफ़ अरेबिया** का प्रदर्शन।
19 जुलाई :	**सप्तक** शृंखला के अन्तर्गत सुश्री इप्शिता मिश्रा और श्री डेनियल फ्रेडी की **कथक** प्रस्तुति।
22 जुलाई :	**संवाद** शृंखला के अन्तर्गत **वैष्णव आगमों के वैदिक आधार** विषय पर डॉ. चन्द्र चतुर्वेदी का **व्याख्यान**।
22 जुलाई :	**साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **मैक़नाज़ गोल्ड** का प्रदर्शन।
29 जुलाई :	**साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **डॉ. कोटनीश की अमर कहानी** का प्रदर्शन।
1-5 अगस्त :	**रूपाभ** शृंखला के अन्तर्गत सुश्री गायत्री गौड़ के चित्रों की **प्रदर्शनी**।
7-12 अगस्त :	**रूपाभ** शृंखला के अन्तर्गत सुश्री अमिता दत्ता चौधरी और सुश्री रूह चौधरी की **प्रदर्शनी**।
18 अगस्त :	**पाठ** शृंखला के अन्तर्गत सुश्री ज्योत्स्ना मिलन का कथा **पाठ**।
19 अगस्त :	**साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **फारेस्ट गम्प** का **प्रदर्शन** एवं **सप्तक शृंखला** के अन्तर्गत पण्डित प्रेमकुमार मलिक का **धु्रपद गायन**।
23 अगस्त :	**संवाद** शृंखला के अन्तर्गत डॉ. बिनय राजाराम द्वारा **बुद्धचरितम ईसाई वारलाम : योआसफ़ और शेक्सपीयर के थ्री कोस्केट** विषय पर **व्याख्यान**।
30 अगस्त :	**मासिक रंगमंच** शृंखला के अन्तर्गत थर्ड बैल, भोपाल के कलाकारों द्वारा **आरक्त क्षण** नामक नाटक की प्रस्तुति।
31 अगस्त:	**आसपास** श्रंखला के अन्तर्गत **तालवाद्य कचहरी मध्यलय** की प्रस्तुति।
7 सितम्बर :	**मासिक रंगमंच** के अन्तर्गत नाटक **मिस आहलूवालिया** की प्रस्तुति।
9 सितम्बर :	**साप्ताहिक सिनेमा** शृंखला के अन्तर्गत रोन हावर्ड द्वारा निर्देशित अंग्रेज़ी फ़िल्म **द विन्ची कोड** का प्रदर्शन।
8-10 सितम्बर :	**भारतीय दर्शन और आधुनिक काव्य परम्परा** विषय पर आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी के तीन **व्याख्यान**।
11 सितम्बर :	**अतिथि नाट्य प्रस्तुति** के अन्तर्गत सुश्री मधुमिता द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिका **कृष्ण लीला** की प्रस्तुति।

16 सितम्बर : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत हिन्दी फ़िल्म **देवदास** की प्रस्तुति।

23 सितम्बर : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अंग्रेज़ी फ़िल्म **द लॉर्ड ऑफ़ द़ रिंग** की प्रस्तुति।

25-27 सितम्बर : बहुकला समारोह **बादल राग-5** के अन्तर्गत **सुश्री शुभा मुद्गल** का **गायन**, श्री राकेश चौरसिया का **बाँसुरी वादन**, पण्डित समरेश चौधरी का **गायन**, लोक गायिका सुश्री शैलेष श्रीवास्तव का **गायन**, 'रनन नृत्य समूह' कोलकाता के कलाकारों सुश्री देवाश्री भट्टाचार्य, श्री विक्रम अयंगार, सुश्री सोहिनी देवनाथ और सुश्री ओलीवा तालुकदार द्वारा वर्षाऋतु की विभिन्न छवियों पर केन्द्रित **नृत्य** प्रस्तुति **रंग बरसे।**

28-30 सितम्बर : दक्षिण मध्य एशियाई फ़िल्मों पर केन्द्रित **विशेष समारोह** के अन्तर्गत **अकुसत, ऑर्डर, आड्स एण्ड ईवन** तथा **द लिटिल एंगल** नामक फ़िल्मों का **प्रदर्शन।**

30 सितम्बर : श्री मुकुन्द लाठ द्वारा **संगीत का भाव पक्ष** विषय पर **व्याख्यान।**

6 अक्टूबर : **मासिक रंगमंच** शृंखला के अन्तर्गत नाटक **बेशर्ममेव जयते** की प्रस्तुति।

7 अक्टूबर : **साप्ताहिक सिनेमा** शृंखला के अन्तर्गत श्री विधु विनोद चौपड़ा की हिन्दी फ़िल्म **परिणीता** का प्रदर्शन।

9-13 अक्टूबर: **रूपाभ** शृंखला के अन्तर्गत श्री दीपक मधुकर सोनार और श्री मनोहर सिंह अडवाणी की चित्र कृतियों की **प्रदर्शनी।**

9 अक्टूबर : **लोक संगीत** के एक विशेष कार्यक्रम के अन्तर्गत **सुश्री आलोचना मांगरोले** और उनके सहयोगी कलाकारों द्वारा निमाड़ के **संजा गीतों** की प्रस्तुति।

20 अक्टूबर : **संवाद** शृंखला के अन्तर्गत **श्री गोविन्द मिश्र** द्वारा **यह समय, साहित्य और मैं** विषय पर **व्याख्यान।**

20 अक्टूबर : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत **अन्तोनओनी** द्वारा निर्देशित इतावली फ़िल्म **इलग्रीडो** की प्रस्तुति।

28 अक्टूबर : **सप्तक** शृंखला के अन्तर्गत ओडिसी नृत्यांगना **सुश्री सुजाता महापात्र** और कथक नृत्यांगना **सुश्री प्रेरणा देशपाण्डे** के **युगल नृत्य** की प्रस्तुति।

30 अक्टूबर-4 नवम्बर : रूपाभ शृंखला के अन्तर्गत **श्री पी.डी. रुद्रकुमार झा** की चित्र-कृतियों की **प्रदर्शनी।**

4 नवम्बर : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत वासु भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित हिन्दी फ़िल्म **एक रुका हुआ फ़ैसला** का प्रदर्शन।

13-18 नवम्बर : **रूपाभ** शृंखला के अन्तर्गत श्री अनन्त कुमार के रेखांकनों और चित्रकृतियों की **प्रदर्शनी।**

13 नवम्बर : **आसपास** शृंखला के अन्तर्गत रीवा के श्री इम्तियाज़ हुसैन का **शास्त्रीय गायन।**

18 नवम्बर : **साप्ताहिक सिनेमा** के अन्तर्गत अमेरिकी फ़िल्म **किलबिल** (भाग-2) का प्रदर्शन।

20-नवम्बर : **रूपाभ** श्रृंखला के अन्तर्गत **श्री मदनलाल** के रेखांकनों और चित्रकृतियों की **प्रदर्शनी।**

21 नवम्बर : श्री मदनलाल द्वारा **समकालीन भारतीय मूर्तिकला** विषय पर **व्याख्यान** और भारतीय मूर्तिकला पर केन्द्रित **सी.डी. का प्रदर्शन**।

25 नवम्बर : **साप्ताहिक सिनेमा** के अंतर्गत विमल राय की हिन्दी फ़िल्म **यहूदी** का प्रदर्शन।

28 नवम्बर : **सप्तक** श्रृंखला के अंतर्गत लखनऊ घराने की नृत्यांगना सुश्री सुरभि शुक्ला और उनकी सहयोगी नृत्यांगनाओं-सुश्री अदिति उत्थल, सुश्री शीतल गुप्ता, सुश्री स्वेच्छा सिंह और सुश्री आरती भूलेवाल द्वारा **कथक** प्रस्तुति।

29 नवम्बर : **पाठ** श्रृंखला के अन्तर्गत सुश्री मृदुला गर्ग का **कथापाठ**।

इस पूरे **वर्ष भर** भारत भवन की **आधुनिक** और **आदिवासी लोक कला दीर्घाएँ** नियमित रूप से खुली रहीं, जिनमें हज़ारों की संख्या में दर्शक आए। इसके अलावा भारत भवन स्थित **छापा** और **सिरेमिक** की **कार्यशालाओं** में भी प्रदेश और देश के अनेक विद्यार्थियों ने आ कर अपना काम किया।भारत भवन की पत्रिका ''पूर्वग्रह'' प्रकाशन जारी रहा।

संस्कृति संचालनालय, भोपाल

प्रदेश की संस्कृति और साहित्य का संवर्धन और संरक्षण और उनके विकास के लिए स्थापित संस्कृति संचालनालय एक महत्वपूर्ण विभाग है। हिन्दी भाषी प्रदेश होने के कारण राजभाषा हिन्दी का संरक्षण और उसका प्रचार-प्रसार भी विभाग की गतिविधियों के अंतर्गत आता है। संस्कृति संचालनालय द्वारा सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विधाओं के विकास के उद्देश्य से रसास्वादन के अवसर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के अलग-अलग अंचलों में समारोहों का आयोजन किया जाता है, जिनमें अलग-अलग विधाओं का समावेश होता है। मध्यप्रदेश में संस्कृति से जनजुड़ाव को महत्व देने के सुपरिणाम भी मिले हैं। आयोजनों में, सभा-संगत-संगोष्ठियों में दर्शक-श्रोताओं की गहरी अभिरुचिपूर्ण उपस्थिति और भागीदारी अत्यन्त उत्साहपूर्वक रही है।

8 एवं 9 जनवरी, उ. रजब अली खाँ एवं उ. अमानत अली खाँ श्रृद्धांजलि समारोह, देवास

यह आयोजन देवास में प्रथम बार किया गया। देवास में आयोजित इस दो दिवसीय समारोह में आयोजन के प्रथम दिवस नई दिल्ली के उस्ताद असद अली खाँ का रूद्र वीणा तथा खैरागढ़ की सुश्री सोमबाला कुमार का शास्त्रीय गायन आयोजित किया गया। आयोजन के दूसरे दिन नई दिल्ली के श्री भजन सोपोरी का संतूर वादन तथा नईदिल्ली के श्री हरिश तिवारी द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुतियाँ दी गई।

23 एवं 24 जनवरी, अनुश्रुति, रवीन्द्र भवन

रवीन्द्र भवन में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस मुम्बई के प्रख्यात गज़ल गायक दम्पत्ति श्री राजकुमार एवं सुश्री इन्द्राणी रिजवी का गजल गायन तथा दूसरे दिन इन्दौर के श्री सुनील मसूरकर का शास्त्रीय गायन एवं भोपाल के वसंत रामभाऊ शेवलीकर का वायोलिन वादन।

25 जनवरी, अलंकरण एवं मुशायरा/कवि सम्मेलन, रवीन्द्र भवन

25 जनवरी को आयोजित अलंकरण समारोह में राष्ट्रीय इकबाल सम्मान से श्री शीनकाफ निज़ाम तथा राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान से दिव्य प्रेम सेवा मिशन संस्था को अंलकृत किया गया। अलंकरण के पश्चात् आयोजित कवि सम्मेलन/मुशायरे में सर्वश्री बालकवि बैरागी, ओमप्रकाश आदित्य, माणिक वर्मा, कुंवर बैचेन, कासिम इमाम, राजेन्द्र त्रिपाठी, वेदव्रत वाजपेयी,

इरफान जाफरी, राहत इन्दौरी, मदनमोहन दानिश, सुनील जोशी, आशीष अनल, सुरेश बैरागी, जगदीश सोलंकी तथा नरेश तिवारी द्वारा शिरकत की गई।

15-17 फरवरी, भोजपुर उत्सव एवं अलंकरण समारोह, भोजपुर

भोजपुर के शिवमन्दिर प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय समारोह के शुभारंभ अवसर पर विभाग के राष्ट्रीय तुलसी सम्मान से उन्नाव के श्री लल्लू वाजपेयी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुम्बई की सुगम संगीत गायिका सुश्री हेमलता एवं समूह द्वारा सुगम गीतों की प्रस्तुति दी गई। आयोजन के द्वितीय दिवस सुश्री रमिन्दर खुराना का ओडिसी नृत्य, डॉ. चेतना ज्योतिषी का कथक नृत्य तथा श्री शर्मा बन्धुओं का भजन गायन प्रस्तुत किया गया। आयोजन के समापन अवसर पर प्रदेश एवं अन्य राज्यों के विभिन्न लोकनृत्य/लोकगीत प्रस्तुत किये गये जिसमें मणिपुर, कर्नाटक, उत्तारांचल, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश राज्यों तथा राष्ट्रीय तुलसी सम्मान से सम्मानित श्री लल्लू वाजपेयी द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति दी गई।

19 से 21 फरवरी, लोकतरंग, छिन्दवाड़ा

यह आयोजन छिन्दवाड़ा में प्रथम बार किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन में प्रथम दिवस मणिपुर, कनार्टक, मध्यप्रदेश, दन्तेवाड़ा का लोकनृत्य तथा दुर्ग की सुश्री रितु वर्मा द्वारा पण्डवानी गायन प्रस्तुत किया गया। आयोजन के द्वितीय दिवस मध्यप्रदेश की गोण्ड जनजाति का ठाटिया नृत्य, कोरकू जनजाति का सिड़ौली नृत्य, सुश्री शैलेष श्रीवास्तव द्वारा भोजपुरी गायन तथा मुम्बई के श्री रविराज नासेरी द्वारा गज़ल एवं भजन गायन की प्रस्तुति दी गई। आयोजन के तीसरे दिन महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश के लोक-जनजातीय नृत्य प्रस्तुत किये गये।

26 एवं 27 फरवरी, अनुश्रुति, रवीन्द्र भवन

रवीन्द्र भवन में आयोजित दो दिवसीय समारोह के प्रथम दिवस उस्ताद सुल्तान खाँ का सारंगी वादन हुआ तथा दूसरे दिन ग्वालियर के श्री अभिजीत अ. सुखदाणे का ध्रुपद गायन एवं भोपाल की सुश्री मधुमिता नकवी का शास्त्रीय गायन हुआ।

26 एवं 27 मार्च, अनुश्रुति, रवीन्द्र भवन

उक्त दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस कर्नाटक के श्री शिवानन्द हेगड़े द्वारा यक्षगान प्रस्तुति के अंतर्गत दुर्योधन वध की प्रस्तुति की गई तथा दूसरे दिन इन्दौर के तबला वादक श्री हितेन्द्र दीक्षित का तबला वादन एवं भोपाल के डॉ. अमरेश चन्द्र चौबे का शास्त्रीय गायन हुआ।

8 अप्रैल, अलंकरण समारोह, देवास

विभाग के वर्ष 2006-07 के राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से पुणे की सुविख्यात शास्त्रीय गायिका सुश्री आरती अंकलीकर टिकेकर को सम्मानित किया गया।

15 अप्रैल, अलंकरण समारोह, इन्दौर

विभाग के वर्ष 2006-07 के राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान से मुम्बई के सुविख्यात संगीत निर्देशक एवं गायक पण्डित हृदयनाथ मंगेशकर को सम्मानित किया गया।

30 अप्रैल, अनुश्रुति, उदयरंजन क्लब, धार

प्रथम बार अनुश्रुति श्रृंखला का आयोजन भोपाल जिले के बाहर धार में किया गया। इस एक दिवसीय आयोजन में सुश्री अश्विनी भिड़े देशपाण्डे-मुम्बई का शास्त्रीय गायन, सुश्री स्मिता रेवे (शेण्डे)-उज्जैन का बाँसुरी वादन, सुश्री सुचित्राा हरमलकर-इन्दौर का कथम समूह नृत्य तथा श्री शंभू प्रसाद पवार-धार का शास्त्रीय गायन आयोजित किया गया।

9 मई, अलंकरण समारोह, रवीन्द्र भवन, भोपाल

विभाग के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मानों का अलंकरण समारोह रवीन्द्र भवन में 9 मई 07 को आयोजित किया गया।

- राष्ट्रीय कबीर सम्मान - श्री अक्कितम अच्युतन नम्बूदिरी, केरल
- राष्ट्रीय कालिदास सम्मान (शास्त्रीय नृत्य) - सुश्री सोनल मानसिंह, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय कालिदास सम्मान (शास्त्रीय संगीत) - पं. पुट्टराज कवि गवई, कर्नाटक
- राष्ट्रीय कालिदास सम्मान (रूपंकर कलाएँ) - श्री शान्ति दवे, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय कालिदास सम्मान (रंगकर्म) - श्री बिमल लाठ, कोलकाता
- राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान - श्री मनु शर्मा, वाराणसी
- राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान - सुश्री गौरी देवी, मिदनापुर
- राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान - श्री बिशन टण्डन, नई दिल्ली
- राज्य स्तरीय शिखर सम्मान (साहित्य) - डॉ. देवेन्द्र दीपक, भोपाल
- राज्य स्तरीय शिखर सम्मान (रूपंकर कलाएँ) - सुश्री शोभा घारे, भोपाल
- राज्य स्तरीय शिखर सम्मान (प्रदर्शनकारी कलाएँ) - डॉ. पुरू दाधीच, इन्दौर

30 मई, अनुश्रुति, गुलाबचन्द स्कूल परिसर, कटनी

उक्त एक दिवसीय आयोजन में नई दिल्ली की सुश्री देवायानी का भरतनाट्यम, देवास की सुश्री कलापिनी कोमकली का शास्त्रीय गायन तथा भोपाल के श्री लक्ष्मणदत्ता दीक्षित का तबला वादन प्रस्तुत किया गया।

1 से 4 जून, बाल नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला, भारत भवन, भोपाल

संचालनालय द्वारा प्रथम बार ग्रीष्मावकाश में 05 से 13 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क नाट्य प्रशिक्षण देने हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नई दिल्ली की सुश्री कनुप्रिया पण्डित द्वारा बच्चों को नाट्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

7 से 9 जून, बेतवा उत्सव, विदिशा

इस तीन दिवसीय आयोजन का शुभारंभ मध्यप्रदेश से अखाड़ा एवं बधाई, नौरता, राई, गणगौर एवं भील-भगौरिया नृत्य तथा उत्तारप्रदेश से चरखुला एवं होली, पंजाब से भांगड़ा, राजस्थान से चरी, घूमर, पश्चिम बंगाल से छाऊ इत्यादि नृत्यों की प्रस्तुति के साथ हुआ। आयोजन के द्वितीय दिवस जबलपुर से प्रख्यात भजन गायिका सुश्री शहनाज़ अख्तर द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति की गई। आयोजन के समापन दिवस में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

17 एवं 18 जून, विरासत उत्सव, छतरपुर

इस दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस प्रदेश एवं देश के विभिन्न अंचलों के जनजातीय एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियाँ की गई जिनमें मध्यप्रदेश से गणगौर, बैगा, गुदुमबाजा, उत्तारप्रदेश से ब्रज की होली, गुजरात से डाण्डिया रास, राजस्थान से सपेरा/मांगणियार तथा महाराष्ट्र से लावणी नृत्यों की प्रस्तुतियाँ हुई। आयोजन के द्वितीय दिवस भक्ति संगीत संध्या में लखनऊ से श्री अग्निहोत्री बंधुओं द्वारा भजनों की प्रस्तुतियाँ दी गई।

30 जून, अनुश्रुति, मुरैना

आयोजन की प्रस्तुति का शुभारम्भ उज्जैन की सुश्री भावना शाह के कथक नृत्य से हुआ तथा समापन नई दिल्ली की गज़ल गायिका सुश्री महिमा कसेवा के गज़लों से हुआ।

5 से 7 जुलाई, सूफियाना, रवीन्द्र भवन

उक्त तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस 5 जुलाई को मिश्र का अल बेहिरा फोक डांस ट्रुप इजिप्ट द्वारा दरवेश संगीत, नृत्य प्रस्तुत किया गया। आयोजन के द्वितीय दिवस नई दिल्ली की सूफी कथक नृत्यांगना सुश्री मंजरी चतुर्वेदी द्वारा सूफी कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया। आयोजन के अंतिम दिन नई दिल्ली के श्री चांद निजामी और साथियों द्वारा कव्वाली की प्रस्तुतियाँ दी गई।

4-5 अगस्त, अलंकरण एवं फूलों के रंग से स्मृति किशोर, खण्डवा

विभाग के वर्ष 2006-07 के राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान से मुम्बई के प्रख्यात फिल्म अभिनेता श्री शत्रुघ्न सिन्हा को सम्मानित किया गया। तदुपरान्त मुम्बई के श्री भूपेन्द्र-सुश्री मिताली द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुति दी गई। उक्त आयोजन में प्रथम बार किशोर-विमर्श का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश एवं देश के फिल्म समीक्षक, पत्राकार एवं अन्य प्रतिनिधियों द्वारा स्व. किशोर कुमार के जीवन प्रसंग, अभिनय पक्ष इत्यादि के बारे में प्रकाश डाला गया।

21 अगस्त, अनुश्रुति, भारत भवन, भोपाल

21 अगस्त को आयोजित उक्त आयोजन में मरहूम उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब के भांजे एवं शिष्य उस्ताद मुमताज़ हुसैन खाँ, वाराणसी का शहनाई वादन किया गया।

4 सितम्बर, सांस्कृतिक संध्या, मुख्यमंत्री निवास, भोपाल

जन्माष्टमी के अवसर पर मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) के श्री शर्मा बन्धुओं का भजन गायन प्रस्तुत किया गया।

21 एवं 22 सितम्बर, सांस्कृतिक संध्या, मुख्यमंत्री निवास, भोपाल

इस दो दिवसीय आयोजन में प्रथम दिवस मैहर बैण्ड की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद बधाई नृत्य तथा सुश्री विजया शर्मा द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। आयोजन के द्वितीय दिवस पुनः मैहर बैण्ड की प्रस्तुति, नौरता नृत्य तथा मुम्बई की सुश्री टीना तामले द्वारा रितु श्रृंगार नृत्य रूपक की प्रस्तुति दी गई।

29 एवं 30 सितम्बर, पं. कृष्णराव शंकर पण्डित संगीत समारोह, ग्वालियर

उक्त आयोजन प्रथम बार आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस सुश्री अश्विनी भिड़े देशपाण्डे तथा पण्डित लक्ष्मण कृष्णराव पण्डित का शास्त्राीय गायन आयोजित हुआ। आयोजन के द्वितीय दिवस भी शास्त्राीय गायन की प्रस्तुति की गई जिसमें पं. विद्याधर व्यास तथा सुश्री पद्मा तलवलकर द्वारा गायन प्रस्तुत किया गया।

24 से 26 अक्टूबर, नर्मदा महोत्सव, भेड़ाघाट, जबलपुर

इस तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस प्रख्यात कथक नृत्यांगना सुश्री मोहिनी पूछवाले मोघे एवं समूह द्वारा कथक नृत्य तथा मथुरा से ब्रज की होली एवं अन्य नृत्यों की प्रस्तुति की गई। आयोजन के द्वितीय दिवस मुम्बई से प्रख्यात पार्श्व गायक श्री अलताफ राजा एवं बाम्बे बीट्स इण्टरनेशनल समूह द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुतियाँ दी गई। आयोजन के अन्तिम दिन प्रदेश एवं देश के अन्य क्षेत्राों के लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रस्तुत किये गये जिसमें पश्चिम बंगाल से छाऊ नृत्य के अंतर्गत महिषासुर मर्दिनी, कीरत अर्जुज नृत्य रूपक, महाराष्ट्र से लावणी, असम से बीहू, छत्तीसगढ़ से पंथी, म.प्र. से गोण्ड जनजाति का सैला, बुन्देलखण्ड से टिमरियाई एवं अन्य आदि नृत्यों की प्रस्तुतियाँ हुई।

25-27 अक्टूबर, शरदोत्सव, चित्रकूट सतना

इस तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन प्रदेश एवं देश के अन्य क्षेत्रों के लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रस्तुत किये गये जिसमें पश्चिम बंगाल से छाऊ नृत्य के अंतर्गत महिषासुर मर्दिनी, कीरत अर्जुन, महाराष्ट्र से लावणी, असम से बीहू, म.प्र. से बधाई पारम्परिक लोकनृत्य की प्रस्तुतियाँ हुई। आयोजन के दूसरे दिन मेरठ से सुश्री मालिनी अवस्थी द्वारा लोक गायिकी की गई तथा टीकमगढ़ से श्री पवन तिवारी एवं समूह द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। आयोजन के अन्तिम दिन मुम्बई से प्रख्यात पार्श्व गायक श्री रवीन्द्र जैन द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई।

26 अक्टूबर, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, इन्दौर

राज्य सरकार द्वारा इन्दौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में संचालनालय द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर को इन्दौर की सुचित्राा हरमलकर के समूह द्वारा मध्यप्रदेश वन्दना गीत प्रस्तुत किया गया तथा मुम्बई की ख्यात शास्त्राीय गायिका सुश्री शुभा मुद्‌गल द्वारा शास्त्राीय गायन प्रस्तुत किया गया।

1 से 6 नवम्बर, मध्यप्रदेश उत्सव, रवीन्द्र भवन, भोपाल

विगत दो वर्षों से किए जा रहे मध्यप्रदेश उत्सव के तहत् इस वर्ष आयोजन की शुरुआत 1 नवम्बर को सुप्रतिष्ठित पार्श्व गायक श्री सुरेश वाडकर एवं उनके शिष्य श्री अमेय दाते एवं ग्रुप द्वारा यादगार गीतों, भजनों, ग़ज़लों आदि की प्रस्तुति की गई। 2 नवम्बर 2007 को उस्ताद सुल्तान खाँ का सारंगी वादन तथा श्री बुद्धादित्य मुखर्जी का सितार वादन प्रस्तुत हुआ। 3 नवम्बर 2007 को देश के विभिन्न राज्यों के पारम्परिक नृत्यों का प्रदर्शन हुआ जिनमें कर्नाटक, राजस्थान, श्रीलंका, मणिपुर तथा मध्यप्रदेश राज्य शामिल हुये। 4 नवम्बर 2007 को सुश्री एस. कनका द्वारा भरतनाट्यम तथा इन्दौर के पण्डित आचार्य गोस्वामी गोकुलोत्सव जी महाराज का शास्त्राीय गायन हुआ। 5 नवम्बर को ख्यातिलब्ध सूफी गायक श्री कैलाश खेर द्वारा सूफी गायन किया गया। आयोजन का समापन 6 नवम्बर को कवि सम्मेलन एवं मुशायरे के साथ हुआ जिसमें सर्वश्री शैलेष लोढ़ा, ओमप्रकाश आदित्य, सुरेन्द्र शर्मा, प्रदीप चौबे, ओम व्यास ओम, विनीत चौहान, राजेन्द्र राजन, कुंवर जावेद, शशिकान्त यादव, बेकल उत्साही, अशोक नागर, सुश्री सीता सागर, सुश्री अनु सपन तथा सुश्री कीर्ति काले ने शिरकत की।

21 नवम्बर, कालिदास समारोह, उज्जैन

विभाग के वर्ष 2007-08 के राष्ट्रीय कालिदास सम्मान (रंगकर्म) अलंकरण का आयोजन प्रथम बार कालिदास समारोह के शुभारंभ अवसर पर हुआ। इस राष्ट्रीय सम्मान से पुणे के प्रख्यात रंगकर्मी श्री बाबा साहब पुरन्दरे को सम्मानित किया गया।

25 नवम्बर, अनुश्रुति, रवीन्द्र भवन, भोपाल

एक दिवसीय अनुश्रुति आयोजन का शुभारम्भ देश के प्रख्यात ग़ज़ल गायक श्री गुलाम अली के ग़ज़लों द्वारा किया गया।

30 नवम्बर, संग-प्रसंग, भारत भवन, भोपाल

इस एक दिवसीय आयोजन में नई दिल्ली से सुश्री रीला होता द्वारा ओडिसी नृत्य, पुणे से श्री श्रीनिवास जोशी द्वारा शास्त्राीय गायन तथा भोपाल के श्री उमाकान्त-श्री रमाकान्त गुंदेचा द्वारा ध्रुपद गायन प्रस्तुत किया गया।

संकलन
मुकेश मोदी
सहायक संचालक